

1801130401040001
EXAMINATION FEBRUARY-MARCH 2024
MASTER OF ARTS (SANSKRIT)(FIRST SEMESTER)
SANSKRIT POETICS-LEVEL 4
अलंकार शास्त्र- ALANKAR SHASTRA

[Time: As Per Schedule]

[Max. Marks:50]

Instructions:

1. Fill up strictly the following details on your answer book

- a. Name of the Examination : **MASTER OF ARTS (SANSKRIT)(FIRST SEMESTER)**
- b. Name of the Subject : **SANSKRIT POETICS-LEVEL 4**
अलंकार शास्त्र- ALANKAR SHASTRA
- c. Subject Code No : **1801130401040001**

2. Sketch neat and labelled diagram wherever necessary.
3. Figures to the right indicate full marks of the question.
4. All questions are compulsory.

Seat No:

--	--	--	--	--	--

Student's Signature

Q.1 नीयेना प्रश्नोना टूंकमां जवाब आपो. (कोईपल पांय)

10

1. नाटयशास्त्रना आरंभमां मुनियोये भरतमुनिने शेना विषे प्रश्न पूछया ?
2. ब्रह्माये शा माटे अप्सराओनुं सर्जन कर्यु ?
3. ग्राम्य धर्म अेटवे शुं ? ते क्या अने क्यारे डेलोयो ?
4. नाटयवेदमां रस अने संगीतनु तत्व शेमांथी वेवामां आव्यु छे ?
5. भामहना मते कोष शास्त्र यर्याथी डरे छे ?
6. भामह मौलिकसर्ग शक्ति माटे क्या शब्दनो प्रयोग करे छे ? शा माटे ?
7. सृष्टिना अंत सुधी कीर्तिनी कामना करनारे शेनामां प्रवृत्त रहेवु जोछये ?

Q.2 नीयेनामांथी गमे ते अेक सानुवाढ सभज्जवो.

6

- 1) आज्ञापितो विदित्वाडहं नाटयवेदं पितामहात् ।
पुत्रानध्यापयामास प्रयोगं चापि तत्वतः ॥
- 2) अहो प्रहरणं दिव्यमिदमासादितं त्वया ।
जर्जरीकृतसर्वांगा येनैते दानवाः कृताः ॥

नीयेनामांथी गमे ते अेक सानुवाढ सभज्जवो.

7

- 1) धर्मार्थकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च ।
प्रीतिं करोति कीर्तिं च साधुकाव्यनिबन्धनम् ॥
- 2) नाकवित्त्वमधर्माय व्याधये दण्डनाय वा ।
कुकवित्वं पुनः साक्षान्मृतिमाहुर्मनीषिणः ॥

Q.3 नाटयवेदने नाटयशास्त्रनो विश्वकोश मानवामा आवे छे-- विगते यर्यो.

13

अथवा

टूंकनोध लज्जो.

- 1) नाटयोत्पत्ति विषयक भरतमुनिनो मत
- 2) नाटयप्रयोजन

Q.4 भारतीय आलंकारिकोअे आपेल काव्यनी व्याख्या दशरवी आचार्य सामहनी काव्य व्याख्या विगते यर्यो.

14

अथवा

टूंकनोध लज्जो.

- 1) कवि प्रतिभा ।
- 2) काव्यदोषा : ।
